No. of Printed Pages : 4

MTT-019

00303

M.A. (TRANSLATION STUDIES) (MATS)

Term-End Examination

June, 2017

MTT-019 : POLITICS OF TRANSLATION

Time : 2 hours *Maximum Marks : 50*

Note : *(i) Attempt any five questions.*

(ii) Question No. 9 is compulsory.

(iii) All questions carry equal marks.

1. Write an essay on the ways Bhakti Literature was appropriated by different interest groups.

2. Elucidate the views of Ezra Pound and W.B. Yeats on translation.

3. Comment on the relationship between social reform movement and translation.

4. Discuss the translations of the texts of medieval religious traditions.

5. Discuss the issue of diversity of English in India and translation of Indian Literature into English.

6. Examine the role of colonial archives in interpreting India.

7. Discuss the role of Indian interpreters in the making of the colonial empire in India.

8. Express your views on the state of translation activities in different Indian Languages in Post-Independence era with reference to their publication.

9. Attempt short notes on **any two** of the following :

   (a) Role of Christian missionary in community building.

   (b) Translation of modern European political thoughts.

   (c) Translation and the politics of resistance

   (d) Concept of sub-altern literature

एम.ए. (अनुवाद अध्ययन) (एम.ए.टी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2017

एम.टी.टी.-019 : अनुवाद की राजनीति

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *(i)* ***किन्हीं पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) *प्रश्न संख्या 9* ***अनिवार्य*** *है।*

(iii) ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

1. विविध हित समूहों द्वारा भक्ति साहित्य के अनुकूलन पर निबन्ध लिखिए।

2. एज़रा पाउण्ड तथा डब्ल्यू.बी. येट्स के अनुवाद सम्बन्धी विचारों पर प्रकाश डालिए।

3. सामाजिक सुधार आंदोलन और अनुवाद के बीच सम्बन्ध पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

4. मध्यकालीन धार्मिक परम्पराओं से सम्बन्धित ग्रन्थों के अनुवाद की विवेचना कीजिए।

5. भारत में अंग्रेजी के वैविध्य तथा भारतीय साहित्य के अंग्रेजी में अनुवाद के मुद्दों की चर्चा कीजिए।

6. भारत की व्याख्या में औपनिवेशिक अभिलेखों की भूमिका की समीक्षा कीजिए।

7. भारत में औपनिवेशिक साम्राज्य के निर्माण में भारतीय व्याख्याकारों (दुभाषियों) की भूमिका की चर्चा कीजिए।

8. स्वातन्त्र्योत्तर भारत में विभिन्न भारतीय भाषाओं में अनुवाद की गतिविधियों की स्थिति पर उनके प्रकाशन के सन्दर्भ में अपने विचार प्रकट कीजिए।

9. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

   (a) सामुदायिक निर्माण में ईसाई मिशनरियों की भूमिका

   (b) आधुनिक यूरोपीय राजनीतिक विचारों का अनुवाद

   (c) अनुवाद और प्रतिरोध की राजनीति

   (d) उपाश्रित साहित्य की अवधारणा